युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा - कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का हुआ समापन

दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद- विवाद प्रतियोगिता- 2023 का समापन हुआ। अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभगियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये। दूसरे दिन आयोजित हुई इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए ।

सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय : सी. आर. चौधरी

वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमे प्राकृतिक संसाधनों का दुरूपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओ से आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सैकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने बड़ी निपुणता और आत्मविश्वास से अपने विषय पर मत रखें, वह काफ्री प्रशंसनीय है। अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

आयोजन समिति अध्यक्षा डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को पांच लाख रूपये नकद और श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता 31 हजार रुपये आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती मिश्रा व मनीष कुमार और एलडीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता 21 हजार रुपये सोफिया गर्ल्स कॉलेज अजमेर की वृंदा पराशर व हर्षिता और एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राखी व सूरज मिश्रा रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता 11 हजार रुपये देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के ऋत्विक राजगीर व यशस्वी पांडे और लॉ कॉलेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शताक्षी शर्मा व पर्थ नारायण सिंह रहे। अंग्रेजी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता जामिया मिलिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली विश्वविद्यालय के सुदीप कृष्णा व प्रियांशु चौहान और बनस्थली विद्यापीठ के प्रियंका प्रतापगढ़ और काव्या सिंह रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता सोफिया गर्ल्स कॉलेज ऑटोनॉमस अजनेर की भव्या श्रीवास्तव व प्रियांशी चावला और आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती व मनीष कुमार रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता जीबी पंत यूनिवर्सिटी के प्रज्ञा व गौरव तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर के आर्यन अग्रवाल व नेहा शर्मा रहे। हिंदी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल व सुधांशु ढाका व द्वितीय पुरस्कार भगवंत यूनिवर्सिटी अजमेर के प्रिया डांगी व मनु शर्मा व तृतीय पुरस्कार शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के अभिनव सिंह व योगिता यादव को मिला। अंग्रेजी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गोरवी माहेश्वरी व प्रियांशी चावला, द्वितीय पुरस्कार द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी जयपुर की शिवानी बागवाल व सुहानी सिंह तृतीय पुरस्कार देव संस्कृति यूनिवर्सिटी उत्तराखंड के आनंदिता मौर्य व अभय शर्मा को मिला। हिंदी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार भागवत यूनिवर्सिटी अजमेर की प्रिया डांगी व दूसरा पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल को मिला वहीं अंग्रेजी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार द आईसीएफएआई जयपुर की शिवानी बागवाल द्वितीय पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गौरवी महेश्वरी को मिला।

CMYK

CMYK

मेवाड़ विवि में वाद विवाद प्रतियोगिता का समापन

>> आइएमएस लॉ कॉलेज नोएडा ने जीता प्रथम पुरस्कार

गंगरार, 4 मार्च (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023 का प्रथम पुरस्कार आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता, जिसमें पांच लाख रुपये नकद और नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी प्रदान की गई।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए, विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता में दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि स्थानों से

250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह आज

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में रविवार को आयोजित होने वाले सातवें वार्षिक दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। वाइस चांसलर डॉ. आलोक कुमार मिश्र ने बताया कि दीक्षांत समारोह में उड़ीसा हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस इशरत मसरूर कुद्दुसी मुख्य अतिथि एवं अजमेर के सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर आनंद भालेराव गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक कुमार गदिया भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को भी मानद उपाधियां प्रदान की जाएगी।

Jannayak 05-03-2023

देश की जनता सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, मतदान अवश्य करें : शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें : कुलाधिपति गदिया

ललकार

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय ''अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत

किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियां निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रूपये और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगी। गुरूवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय "अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता" का आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राऐं ले रहे हैं हिस्सा

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ़ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय ''अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल थे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रर्'या है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग लें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राऐं ले रहे हैं हिस्सा

चित्तौड़गढ़ (नरेश सोनी, हैलो राजस्थान)। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय ''अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम अयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भरतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सकें कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं।

इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें ताकि हमारा देश विश्व मे महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा।

इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय को टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ऑवरऑल चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रूपये और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगी। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालयः सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगाः कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन

आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रूपये नगद और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद- विवाद प्रतियोगिता-2023 का समापन हुआ । अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये । इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये । दूसरे दिन आयोजित हुई इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था । प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की । इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए । वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमे प्राकृतिक संसाधनों का दुरूपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओ से आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सैकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें । इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने %मेक इन इंडिया% और %स्टार्टअप% नीति भी चला रही है ताकि युवा खुद उधमी बनकर दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा सके। विश्वविद्यालय में पूर्व में अपनी सेवा दे चुके सी. आर चौधरी ने स्वर्गीय श्री नंदलाल गदिया को नमन करते हुए कहा कि उस व्यक्तित्व की सोच का ही परिणाम है कि उन्होंने सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाए की अवधारणा पर काम करते हुए मेवाड़ जैसे ग्रामीण क्षेत्र में मेवाड़ विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी जिसमे आज न केवल देश के कोने-कोने से बल्कि विदेशों से, अफ्रीका और एशिया महाद्वीपीय देशों से भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं ताकि उज्जवल भविष्य का निर्माण हो सकें। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने बड़ी निपुणता और आत्मविश्वास से अपने विषय पर मत रखें, वह काफी प्रशंसनीय है। भारत देश 70 करोड़ युवाओं का देश है और यही युवा शक्ति देश का कर्णधार है। युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा और यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि इस उद्देश्य को पूरा करने में अपना सहयोग दें । इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों को चुनाव में व्याप्त विसंगतियों की विस्तृत जानकारी दी और मतदान नहीं करने पर होने वाले नुकसानों पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि इस वाद-विवाद प्रतियोगिता का उद्देश्य लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि सही प्रतिनिधि का चुनाव हो सकें। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

आयोजन समिति अध्यक्षा डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को पांच लाख रूपये नकद और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता (31000/-रु) आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती मिश्रा व मनीष कुमार और एलडीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता (21000/-रु) सोफिया गर्ल्स कॉलेज अजमेर की वृंदा पराशर व हर्षिता और एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राखी व सूरज मिश्रा रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता (11000/- रू) देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के ऋतिक राजगीर व यशस्वी पांडे और लॉ कॉलेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शताक्षी शर्मा व पर्थ नारायण सिंह रहे। अंग्रेजी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता जामिया मिलिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली विश्वविद्यालय के सुदीप कृष्णा व प्रियांशु चौहान और बनस्थली विद्यापीठ के प्रियंका प्रतापगढ़ और काव्या सिंह रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता सोफिया गर्ल्स कॉलेज ऑटोनॉमस अजमेर की भव्या श्रीवास्तव व प्रियांशी चावला और आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती व मनीष कुमार रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता जीबी पंत यूनिवर्सिटी के प्रज्ञा व गौरव तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर के आर्यन अग्रवाल व नेहा शर्मा रहे। हिंदी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल व सुधांशु ढाका व द्वितीय पुरस्कार भगवंत यूनिवर्सिटी अजमेर के प्रिया डांगी व मनु शर्मा व तृतीय पुरस्कार शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के अभिनव सिंह व योगिता यादव को मिला। अंग्रेजी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गोरवी माहेश्वरी व प्रियांशी चावला, द्वितीय पुरस्कार द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी जयपुर की शिवानी बागवाल व सुहानी सिंह तृतीय पुरस्कार देव संस्कृति यूनिवर्सिटी उत्तराखंड के आनंदिता मौर्य व अभय शर्मा को मिला। हिंदी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार भागवत यूनिवर्सिटी अजमेर की प्रिया डांगी व दूसरा पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल को मिला वहीं अंग्रेजी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार द आईसीएफएआई जयपुर की शिवानी बागवाल द्वितीय पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गौरवी महेश्वरी को मिला।

सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय : सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा : कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन

आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रूपये नगद और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़(लाइव स्टोरी - अमित कुमार चेचानी) । मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय ÷अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023÷ का समापन हुआ । अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभगियों ने अंग्रेजी भाषा में ÷भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए÷ संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये । इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया । देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये । दूसरे दिन आयोजित हुई इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था । प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की । इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए । वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने

सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालयः सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा : कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023÷ का समापन हुआ। अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभगियों ने अंग्रेजी भाषा में ÷भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए÷ संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये।

दूसरे दिन आयोजित हुई इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमे प्राकृतिक संसाधनों का दुरूपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओ से आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सैकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने %मेक इन इंडिया% और %स्टार्टअप% नीति भी चला रही है ताकि युवा खुद उधमी बनकर दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा सके। विश्वविद्यालय में पूर्व में अपनी सेवा दे चुके सी. आर चौधरी ने स्वर्गीय श्री नंदलाल गदिया को नमन करते हुए कहा कि उस व्यक्तित्व की सोच का ही परिणाम है कि उन्होंने ÷सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाए÷ की अवधारणा पर काम करते हुए मेवाड़ जैसे ग्रामीण क्षेत्र में मेवाड़ विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी जिसमे आज न केवल देश के कोने-कोने से बल्कि विदेशों से, अफ्रीका और एशिया महाद्वीपीय देशों से भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं ताकि उज्जवल भविष्य का निर्माण हो सकें। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने बड़ी निपुणता और आत्मविश्वास से अपने विषय पर मत रखें, वह काफी प्रशंसनीय है।

युवा रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला बने : पूर्व मंत्री चौधरी

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय \'अखिल भारतीय श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद- विवाद प्रतियोगिता- 2023\' का समापन हुआ। अंतिम दिन प्रतिभगियों ने अंग्रेजी भाषा में \'भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए\' विषय पर विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर से प्रतिभागी पहुंचे। दूसरे दिन इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 एवं हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सीआर चौधरी ने कहा कि हमें प्राकर्तिक संसाधनों को भावी पीढ़ियों के लिए संजोकर रखना चाहिए। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने निपुणता और आत्मविश्वास से विषय पर मत रखे, वह प्रशंसनीय है। बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा, प्रो. वाइस चांसलर आनंदवर्धन शुक्ला, प्रो. वाइस चांसलर सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को 5 लाख रुपए नकद और श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी पुरस्कार दिया गया।

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का समापन

सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी

आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को पांच लाख रुपए नगद और ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

गंगरार/ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में चल रही दो दिवसीय अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद- विवाद प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता में कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीयमंत्री सी. आर चौधरी ने विधार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमे प्राकर्तिक संसाधनों का दुरूपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। इस अवसर पर मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि भारत 70 करोड़ युवाओं का देश है और यही युवा शक्ति देश का कर्णधार है। युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा।

अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा, प्रो. वाइस चांसलर आनंदवर्धन शुक्ला, प्रो वाइस चांसलर सर्वोत्तम दीक्षित उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

आयोजन समिति अध्यक्षा डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती मिश्रा, मनीष कुमार और एलडीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर, द्वितीय अजमेर की वृंदा पराशर व हर्षिता, गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राखी व सूरज मिश्रा, तृतीय हरिद्वार के ऋतिक राजगीर व यशस्वी पांडे और लॉ कॉलेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शताक्षी शर्मा व पर्थ नारायण सिंह रहे।

अंग्रेजी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता दिल्ली के सुदीप कृष्णा व प्रियांशु चौहान, बनस्थली विद्यापीठ के प्रियंका प्रतापगढ़ और काव्या सिंह, द्वितीय विजेता सोफिया गर्ल्स कॉलेज ऑटोनॉमस अजमेर की भव्या श्रीवास्तव व प्रियांशी चावला और आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती व मनीष कुमार रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता जीबी पंत यूनिवर्सिटी के प्रज्ञा व गौरव तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर के आर्यन अग्रवाल व नेहा शर्मा रहे। वाद- विवाद प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए शाम के समय मेवाड़ यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट विभाग की डीन डॉ. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में अभिव्यक्ति-समारोह आयोजित किया गया। जिसमें कलाकारों ने विभिन रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य और गायन की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी में निर्मित प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, साइंस म्यूजियम, ज्योतिष म्यूजियम, योगा म्यूजियम, आर्ट गैलरी आदि विभिन्न म्यूजियम का अवलोकन किया।

Dainik Navajyoti 04-03-2023

जयपुर मिड-डे टाईम्स

जयपुर शुक्रवार, 3 मार्च 2023

हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है मतदान अवश्य करें - शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके- कुलाधिपति गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय ह्यह्यअखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राऐं ले रहे हैं हिस्सा

चित्तौड़गढ़(लाइव स्टोरी-अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय ह्यह्यअखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023ह्यह्य का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कईविषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ह्यह्यभारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिएह्यह्य पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है

विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं।

इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा।

इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग लें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रुपए का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रुपए का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ऑवरऑल चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रुपए औरह्यह्यश्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफीह्यह्य पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगी। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है मतदान अवश्य करें- शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके- कुलाधिपति गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय "अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का हुआ आगाज़

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुवार से दो दिवसीय ''अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग लें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ऑवरऑल चैंम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रूपये और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगी। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है मतदान अवश्य करें: शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके- कुलाधिपति गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय "अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023" का हुआ आगाज़, देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राऐं ले रहे हैं हिस्सा

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुवार से दो दिवसीय ''अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा।

विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा विद्यार्थी ले रहे भाग

नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता प्रारंभ

गंगरार, 2 मार्च (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज के संयुक्त तत्वाधान में 2 मार्च से दो दिवसीय अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा व प्रोफेसर जीके अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने प्रतियोगिता के विषय भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए, पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियां निवास करती हैं जो विविधता में एकता का संदेश देती है। हमारे देश की जनता देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार देश का भविष्य अपनी योजनाओं द्वारा निर्धारित करती है। सभी भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें भाग ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Jannayak 03-03-2023

शिक्षा की खबर...

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अभा श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज़

चित्तौड़गढ़| मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वावधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जीके अग्रवाल थे। मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए पर कहा कि सरकार देश का भविष्य अपनी योजनाओं से निर्धारित करती है। इसलिए हम सब मतदान अवश्य करें। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोककुमार गदिया ने कहा कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें, ताकि देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। कुलपति डॉ. आनंदवर्धन शुक्ला ने कहा कि किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। प्रतियोगिता संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31 हजार, द्वितीय को 21 हजार और तृतीय को 11 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्रसिंह भाटी ने बताया कि ओवरऑल चैम्पियन को पांच लाख और श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी दी जाएगी। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar 03-03-2023

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राऐं ले रहे हैं हिस्सा

चित्तौड़गढ़ (नरेश सोनी, हैलो राजस्थान)। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय ''अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम अयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भरतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भरतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सकें कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते है।

इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व मे महाशक्ति के रूप में जाना जा स्के। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा।

इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय को टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ऑवरऑल चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रूपये और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगी। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय "अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता" का आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राऐं ले रहे हैं हिस्सा

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ़ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय ''अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल थे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राऐं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग लें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

देश की जनता सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, मतदान अवश्य करें : शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें : कुलाधिपति गदिया

ललकार

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय ''अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023'' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरुआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत

किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय ''भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही है। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही है। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग लें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रूपये और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगी। गुरूवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालयः सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगाः कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन

आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रूपये नगद और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद- विवाद प्रतियोगिता-2023 का समापन हुआ । अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभगियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये । इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये । दूसरे दिन आयोजित हुई इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था । प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की । इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए । वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमे प्राकृतिक संसाधनों का दुरूपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओ से आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सैकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें । इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने %मेक इन इंडिया% और %स्टार्टअप% नीति भी चला रही है ताकि युवा खुद उधमी बनकर दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा सके। विश्वविद्यालय में पूर्व में अपनी सेवा दे चुके सी. आर चौधरी ने स्वर्गीय श्री नंदलाल गदिया को नमन करते हुए कहा कि उस व्यक्तित्व की सोच का ही परिणाम है कि उन्होंने सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाए की अवधारणा पर काम करते हुए मेवाड़ जैसे ग्रामीण क्षेत्र में मेवाड़ विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी जिसमे आज न केवल देश के कोने-कोने से बल्कि विदेशों से, अफ्रीका और एशिया महाद्वीपीय देशों से भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं ताकि उज्जवल भविष्य का निर्माण हो सकें। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने बड़ी निपुणता और आत्मविश्वास से अपने विषय पर मत रखें, वह काफी प्रशंसनीय है। भारत देश 70 करोड़ युवाओं का देश है और यही युवा शक्ति देश का कर्णधार है। युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा और यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि इस उद्देश्य को पूरा करने में अपना सहयोग दें । इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों को चुनाव में व्याप्त विसंगतियों की विस्तृत जानकारी दी और मतदान नहीं करने पर होने वाले नुकसानों पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि इस वाद-विवाद प्रतियोगिता का उद्देश्य लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि सही प्रतिनिधि का चुनाव हो सकें। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

आयोजन समिति अध्यक्षा डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को पांच लाख रूपये नकद और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता (31000/-रु) आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती मिश्रा व मनीष कुमार और एलडीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता (21000/-रु) सोफिया गर्ल्स कॉलेज अजमेर की वृंदा पराशर व हर्षिता और एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राखी व सूरज मिश्रा रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता (11000/- रू) देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के ऋतिक राजगीर व यशस्वी पांडे और लॉ कॉलेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शताक्षी शर्मा व पर्थ नारायण सिंह रहे। अंग्रेजी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता जामिया मिलिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली विश्वविद्यालय के सुदीप कृष्णा व प्रियांशु चौहान और बनस्थली विद्यापीठ के प्रियंका प्रतापगढ़ और काव्या सिंह रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता सोफिया गर्ल्स कॉलेज ऑटोनॉमस अजमेर की भव्या श्रीवास्तव व प्रियांशी चावला और आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती व मनीष कुमार रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता जीबी पंत यूनिवर्सिटी के प्रज्ञा व गौरव तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर के आर्यन अग्रवाल व नेहा शर्मा रहे। हिंदी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल व सुधांशु ढाका व द्वितीय पुरस्कार भगवंत यूनिवर्सिटी अजमेर के प्रिया डांगी व मनु शर्मा व तृतीय पुरस्कार शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के अभिनव सिंह व योगिता यादव को मिला। अंग्रेजी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गोरवी माहेश्वरी व प्रियांशी चावला, द्वितीय पुरस्कार द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी जयपुर की शिवानी बागवाल व सुहानी सिंह तृतीय पुरस्कार देव संस्कृति यूनिवर्सिटी उत्तराखंड के आनंदिता मौर्य व अभय शर्मा को मिला। हिंदी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार भागवत यूनिवर्सिटी अजमेर की प्रिया डांगी व दूसरा पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल को मिला वहीं अंग्रेजी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार द आईसीएफएआई जयपुर की शिवानी बागवाल द्वितीय पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गौरवी महेश्वरी को मिला।

सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय : सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा : कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन

आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रूपये नगद और ''श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी'' पुरस्कार

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़(लाइव स्टोरी - अमित कुमार चेचानी) । मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय ÷अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023÷ का समापन हुआ । अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभगियों ने अंग्रेजी भाषा में ÷भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए÷ संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये । इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया । देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये । दूसरे दिन आयोजित हुई इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था । प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की । इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए । वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने